# MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

## // UNIVERSITY LIBRARY //

## -: NEWS CLIPPING SERVICE -:

## DATE:23 JULY 2026

माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि में ए जॉयफुल एजुकेटर पर तीन दिनी कार्यशाला शुरु

# एमसीयू में सिखाए एक आनंदित शिक्षक बनने के गुर

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

एक शिक्षक कैसे हँसमुख, शांतचित्त और ऊर्जावान हो सकता है, इस विषय पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में तीन दिनी कार्यशाला बुधवार को प्रारंभ हुई। प्रथम दिन तीन सत्रों में व्यक्तित्व में सकारात्मकता लाने के उपायों पर विशद चर्चा हुई। मुख्य अतिथि हैदराबाद के रेखी फ़ाउंडेशन के प्रोफ़ेसर ऑफ प्रैक्टिस डॉ श्रीहरि कृष्ण ने ख़ुशी या आनंद को अभ्यास से पैदा किया जा सकता है। आख़िर एक सा बाहरी वातावरण होने के बावजूद एक व्यक्ति सुखी और एक दुखी क्यों होता है। ख़ुशी को परिस्थितियाँ नहीं, मन की अवस्था तय करती है।

संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के रेखी सेंटर आफ़ एक्सीलेंस फ़ॉर साइंस आफ़ हैप्पीनैस ने किया है। इसमें विवि के शिक्षकों के साथ ही अतिथि शिक्षक भी भाग ले रहे हैं। श्री हरि के अलावा फाउंडेशन की सीनियर फ़ैकल्टी डॉ रितु शर्मा तीन दिन एक आनंदित शिक्षक के गुर बताएंगे। पहले दिन दोनों ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से आनंद को तय करने, उसका अनुभव करने और उससे होने वाले लाभों को रखा। संवाद के ज़रिये शिक्षकों अनुभव साझा किए जिसमें

## हम सोच को सकारात्मक कर सकते हैं: कुलगुरु

कार्यक्रम का शुभारंभ लता मंगेशकर सभागृह में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने किया। उन्होंने कहा कि सभी लोग अपने रोज़गार की आपाधापी में हैं लेकिन इसमें एक खिड़की ऐसी खुली रखनी चाहिए जो आनंद का भाव दे सके। उन्होंने ओशो कम्युन की कार्यप्रणाली का अनुभव बताते हुए कहा कि वहाँ व्यक्ति अपने मन के मुताबिक़ कामों को अपने अनुसार नियोजित कर ज़्यादा सक्रिय व ऊर्जावान बना रहता था और रचनात्मकता का प्रदर्शन करता था। हमें यह सोचना चाहिए कि क्या सकारात्मक कर सकते हैं। श्री तिवारी ने शिक्षकों से कहा कि वे नियमित पाठ्यक्रमों से अलग व्यावहारिक जीवन में विद्यार्थियों को कुछ अलग करने को प्रोत्साहित करें तो उत्कृष्ट प्रतिभाएँ निकलेंगीं। आभार प्रदर्शन प्रभारी कुलसचिव पी शशिकला ने किया। संचालन वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ मनीषा वर्मा ने किया।

उन्होंने उन वाकयों को बता जब उन्हें विद्यार्थियों के बीच बहुत सुखद अनुभूति हुई या विद्यार्थी ने उनमें रुचि ली। वक्ताओं ने ध्यान देने (अटेंशन) और केनद्रित करने (फ़ोकस) के गुर बताए। उन्होंने कहा कि फ़ोकस एक करेंसी है। सोशल मीडिया के ज़रिए पैदा की जा रही व्याकुलता (डिस्ट्रेक्शन) के बारे में उन्होंने कहा कि हमें तय करना होगा कि अटेंशन कहाँ और कब करना होगा। हम सूचनाओं का उपभोग तो खूब कर रहे हैं किन्तु खुद की सृजनात्मकता पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। अपनी ऊर्जा को अटैंशन के साथ एक दिशा में प्रवाहित करने से ही सफलता मिलती है। वक्ताओं ने कहा कि एक बच्चे की तरह वर्तमान में जीने ख़ुशी का एक कारक है। इसे हम भी सायास पा सकते हैं।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTI '23 JULY.2026

# आनंद मन की अवस्था है, परिस्थितियों की नहीं : डॉ. श्रीहरि कृष्ण

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल:** माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में बुधवार से 'ए जॉयफुल एजुकेटर' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। रेखी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर साइंस ऑफ हैप्पीनेस द्वारा आयोजित इस संकाय विकास कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकों और अतिथि शिक्षकों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि रेखी फाउंडेशन, हैदराबाद के प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस डॉ. श्रीहरि कृष्ण ने कहा कि आनंद परिस्थितियों से नहीं, बल्कि मन की अवस्था से तय होता है। उन्होंने कहा कि खुशी का अभ्यास किया जा सकता है और व्यक्ति अपने दृष्टिकोण में

सकारात्मक बदलाव लाकर जीवन को अधिक संतुलित बना सकता है। उन्होंने ध्यान और एकाग्रता को सफलता का आधार बताते हुए कहा कि आज सोशल मीडिया के कारण बढ़ रहे भटकाव के बीच अपनी ऊर्जा को सही दिशा में केंद्रित करना आवश्यक है। रेखी फाउंडेशन की वरिष्ठ फैकल्टी डॉ. रितु शर्मा ने भी उदाहरणों और संवाद के माध्यम से आनंद, सकारात्मक सोच और वर्तमान में जीने के महत्व पर प्रकाश डाला। शिक्षकों ने विद्यार्थियों के साथ अपने प्रेरक अनुभव साझा किए और बताया कि शिक्षण के दौरान मिले सकारात्मक क्षण उन्हें नई ऊर्जा प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने किया। उन्होंने कहा कि व्यस्त जीवन में भी आनंद और रचनात्मकता के लिए स्थान होना चाहिए। शिक्षकों को विद्यार्थियों को नियमित पाठ्यक्रम के साथ व्यावहारिक जीवन के लिए भी प्रेरित करना चाहिए, जिससे उनकी प्रतिभा का बेहतर विकास हो सके। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीषा वर्मा ने किया, जबकि आभार प्रभारी कुलसचिव पी. शशिकला ने व्यक्त किया।

DAINIK NAIDUNIA 23-07-2026 PAGE 4

# ए जॉयफुल एजुकेटर पर कार्यशाला शुरू

## एमसीयू में मौजूद लोगों को सिखाए गए एक आनंदित शिक्षक बनने के गुर

एमसीयू में तीन दिनी कार्यशाला का आरंभ हुआ।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एक शिक्षक कैसे हंसमुख, शांतचित्त और ऊर्जावान हो सकता है, इस विषय पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि में तीन दिनी कार्यशाला बुधवार को शुरू हुई। प्रथम दिन तीन सत्रों में व्यक्तित्व में सकारात्मकता लाने के उपायों पर विशद चर्चा हुई। मुख्य अतिथि हैदराबाद के रेखी फाउंडेशन के प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस डॉ श्रीहरि कृष्ण ने ख़ुशी या आनंद को अभ्यास से पैदा किया जा सकता है। आखिर एक सा बाहरी वातावरण होने के बावजूद एक व्यक्ति सुखी और एक दुखी क्यों होता है। खुशी को परिस्थितियां नहीं, मन की अवस्था तय करती है। संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन विवि के रेखी सेंटर आफ़ एक्सीलेंस फ़ॉर साइंस आफ़ हैप्पीनैस ने किया है। इसमें विवि के शिक्षकों के साथ ही अतिथि शिक्षक भी भाग ले रहे हैं। श्री हरि के अलावा फाउंडेशन की सीनियर फैकल्टी डॉ रितु शर्मा तीन दिन एक आनंदित शिक्षक के गुर बताएंगे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI '23 JULY.2026

# 'ए जॉयफुल एजुकेटर' विषय पर कार्यशाला

नीलबड़.एमसीयू में 'ए जॉयफुल एजुकेटर' विषय पर 3 दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। जिसमें शिक्षकों को सकारात्मक, शांतचित्त और ऊर्जावान व्यक्तित्व विकसित करने के व्यावहारिक गुर बताए गए। मुख्य वक्ता डॉ. श्रीहरि कृष्ण ने कहा कि आनंद बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि मन की अवस्था से तय होता है,ध्यान, एकाग्रता के साथ अभ्यास किया जा सकता है। वहीं,कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने शिक्षकों से विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम के साथ-साथ व्यावहारिक जीवन के अनुभवों से जोड़ने का आह्वान किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PATRIKA '23 JULY.2026